vinetur

2026 की तीसरी तिमाही में अमेरिका को फ्रांसीसी पेय निर्यात 34% बढ़ा

निर्यात में 223 मिलियन यूरो की बढ़ोतरी ने अमेरिका को फ्रांस के निर्यात में आई उछाल का सबसे बड़ा आधार बनाया ; 2025 का तुलनात्मक आधार असामान्य रूप से कमजोर था

सोमवार, 9 नवंबर 2026



फ्रांसीसी सीमा शुल्क विभाग की 6 नवंबर को प्रकाशित तिमाही विदेशी व्यापार समीक्षा के अनुसार, 2026 की तीसरी तिमाही में अमेरिका को फ्रांसीसी पेय निर्यात एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 34% बढ़ा और बिक्री में लगभग 223 मिलियन यूरो की बढ़ोतरी हुई। मूल्य के लिहाज से इस वृद्धि ने अमेरिका को फ्रांस के कुल निर्यात में आई उछाल में पेय पदार्थों को सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना दिया, जो एयरोस्पेस से भी आगे रहा।

यह बढ़ोतरी फ्रांसीसी वाइन और स्पिरिट उत्पादकों के साथ-साथ बीयर बनाने वालों और अन्य पेय निर्यातकों के लिए अहम संकेत है, क्योंकि अमेरिका इस क्षेत्र का प्रमुख बाजार बना हुआ है। हालांकि, आंकड़े पूरी तरह से सुधार की ओर इशारा नहीं करते। फ्रांसीसी सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि 2025 की तीसरी तिमाही में तेज गिरावट के बाद तुलनात्मक आधार असामान्य रूप से कमजोर था और पेय निर्यात 2023 तथा 2024 की तीसरी तिमाही के स्तर से अब भी काफी नीचे

रहा।

सीमा शुल्क विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, जहाजों को छोड़कर सभी वस्तुओं का अमेरिका को फ्रांसीसी निर्यात 2026 की तीसरी तिमाही में 5% यानी 547.5 मिलियन यूरो बढ़ा। प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर, इस बढ़ोतरी में पेय पदार्थों की हिस्सेदारी लगभग 41% थी। एयरोस्पेस निर्यात 7% बढ़कर 184 मिलियन यूरो रहा, जबकि इत्र, सौंदर्य प्रसाधन और सफाई उत्पादों का निर्यात 28% बढ़कर 146 मिलियन यूरो हो गया। इसके उलट, दवा निर्यात 316 मिलियन यूरो यानी 30% गिरा।

सीमा शुल्क के आंकड़ों में वाइन, कॉन्यैक सहित स्पिरिट, बीयर, पानी और गैर-अल्कोहल पेय को एक ही पेय श्रेणी में रखा गया है। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि 223 मिलियन यूरो की बढ़ोतरी में हर उपश्रेणी का कितना योगदान रहा, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि उछाल का कितना हिस्सा वाइन और स्पिरिट से आया और कितना अन्य पेयों से। उद्योग समूहों और निर्यात महासंघों से उत्पादवार अधिक विस्तृत वार्षिक आंकड़े 2027 की शुरुआत में मिलने की उम्मीद है।

इस बढ़ोतरी से कई कमजोर तिमाहियों के बाद रुझान पलट गया। ये कमजोर तिमाहियां अमेरिका के ऊंचे शुल्कों से जुड़ी थीं। अप्रैल 2025 में अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क लागू होने के बाद से अमेरिका में फ्रांसीसी बिक्री दबाव में थी। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि 2025 की पहली तिमाही में निर्यात एक साल पहले की समान अवधि से 7% बढ़ा था ; संभव है कि शुल्क लागू होने से पहले वाइन और चमड़े के सामान की खेप जल्दी भेजी गई हो। इसके बाद निर्यात स्थिर रहा और फिर लगातार तीन तिमाहियों तक गिरा : 2025 के अंत में 4%, 2026 की पहली तिमाही में 4% और दूसरी तिमाही में 2%। तीसरी तिमाही में 5% की बढ़ोतरी से यह सिलसिला टूटा।

फिर भी, सीमा शुल्क विभाग ने एक तिमाही के आंकड़ों से बहुत बड़े निष्कर्ष निकालने के प्रति आगाह किया। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की तीसरी तिमाही में अमेरिका को पेय निर्यात में तेज गिरावट आई थी, जिससे एक साल पहले की समान अवधि से तुलना असामान्य रूप से अनुकूल हो गई। तुलनात्मक आधार के इस कम स्तर का मतलब है कि 34% की बढ़ोतरी यह साबित नहीं करती कि फ्रांसीसी पेय की खेप शुल्क लागू होने से पहले के स्तर पर लौट आई है।

वाइन और स्पिरिट निर्यातकों के लिए ये आंकड़े फिर भी अहम हैं, क्योंकि वे कई फ्रांसीसी उत्पादकों के सबसे बड़े विदेशी बाजार में कुछ स्थिरता के संकेत देते हैं। साथ ही, आंकड़े दिखाते हैं कि सुधार अब भी अधूरा और असमान है। निर्यात मूल्य में बढ़ोतरी से यह भी पता नहीं चलता कि अमेरिका में खुदरा कीमतों में बदलाव हुआ या नहीं, अथवा निर्यात की मात्रा भी उसी रफ्तार से उबरी या नहीं।

फ्रांसीसी सीमा शुल्क विभाग ने यह भी कहा कि इसी अवधि में अमेरिका को फ्रांस के निर्यात में आई उछाल कुछ यूरोपीय समकक्ष देशों की तुलना में कम रही। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका को जर्मनी का निर्यात 26%, ब्रिटेन का 16% और इटली का 10% बढ़ा। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि इस अंतर की एक वजह दवा उत्पादों की मजबूत खेप थी, जिसमें जुलाई में तेज उछाल भी शामिल था ; इसके बाद पेटेंट प्राप्त दवा उत्पादों पर 15% शुल्क लागू हुआ। इन देशों के सितंबर के आंकड़े अब भी अनुमानित थे।

6 नवंबर की सीमा शुल्क समीक्षा में मई में अंतरिम व्यापार समझौता लागू होने के बाद मर्कोसुर देशों के साथ व्यापार का शुरुआती आकलन भी शामिल था। रिपोर्ट के इस हिस्से से संकेत मिलता है कि कुछ फ्रांसीसी अल्कोहल उत्पादकों के लिए एक वैकल्पिक बाजार उभर रहा है, हालांकि उसका पैमाना अमेरिका से बहुत छोटा है। मई से सितंबर 2026 के दौरान मर्कोसुर देशों को फ्रांसीसी वाइन निर्यात 31.3 मिलियन यूरो रहा, जो एक साल पहले 28.9 मिलियन यूरो था—यानी 8% की बढ़ोतरी। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि इस वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा शैम्पेन और करीब एक-चौथाई बरगंडी वाइन से आया।

रिपोर्ट के अनुसार, मर्कोसुर को फ्रांसीसी स्पिरिट निर्यात लगभग 2.7 मिलियन यूरो से बढ़कर लगभग 5.1 मिलियन यूरो हो गया, यानी 85% की वृद्धि ; इसकी मुख्य वजह ब्राजील को वोडका की खेप थी। फिर भी, यह बाजार छोटा है।

अमेरिका को फ्रांसीसी पेय निर्यात में तिमाही के दौरान हुई 223 मिलियन यूरो की बढ़ोतरी, उन पांच महीनों में मर्कोसुर को फ्रांसीसी वाइन की कुल बिक्री के मूल्य से सात गुना से भी अधिक थी।

सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, मर्कोसुर देशों में दाखिल होने वाली वाइन और स्पिरिट पर शुल्क आम तौर पर 20% से 35% तक रहा था। 1 मई 2026 से इन शुल्कों में 2 से 4 प्रतिशत अंक की कटौती की गई, जबकि इन्हें पूरी तरह समाप्त करने का कार्यक्रम 2030 से 2036 के बीच है। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि समझौते के प्रभाव पर ठोस निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि समीक्षा की अवधि छोटी थी और अब तक की कटौतियां सीमित थीं।

सीमा शुल्क के आंकड़े पेय उद्योग के सामने कई सवाल अनुत्तरित छोड़ते हैं। वे दिखाते हैं कि मुश्किल दौर के बाद तीसरी तिमाही में निर्यात का मूल्य बढ़ा, लेकिन यह साबित नहीं करते कि मांग पहले के स्तर पर लौट आई है। उनसे यह भी स्पष्ट नहीं होता कि उछाल की अगुवाई शैम्पेन, कॉन्यैक, बिना बुलबुले वाली वाइन, बीयर या गैर-अल्कोहल पेयों ने की। उत्पादवार तस्वीर 2027 की शुरुआत में 2026 के वार्षिक निर्यात नतीजे प्रकाशित होने पर साफ होने की उम्मीद है।